Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

बहुविकल्पी प्रश्न

1. बोल्शेविक खेमे का नेता कौन था?

(अ) ट्रॉट्स्की (ब) लेनिन

(स) केरेन्स्की (द) स्तालिन

2. रशियन सोशल डेमोक्रेटिक वर्कर्स पार्टी का गठन किया गया?

(अ) 1905 में (ब) 1900 में

(स) 1914 में (द) 1898 में

3. रूस में ड्यूमा का गठन कब किया गया?

(अ) सन् 1917 (ब) सन् 1914

(स) सन् 1890 (द) सन् 1905

4. रूस की क्रांति का आरम्भ किस शहर से हुआ?

(अ) पेत्रोग्राद से ब) मैग्नीटोगोस्क से

(स) लेनिनग्राद से (द) मास्को से

5. मेन्शेविकों का नेता कौन था?

(अ) लेनिन (ब) केरेंस्की

(स) कार्ल मार्क्स (द) राबर्ट ओवेन

6. रेड आर्मी (लाल सेना) का गठन किसने किया?

(अ) जार निकोलस (ब) लेनिन

(स) कार्ल मार्क्स (द) केरेंस्की

7. जार निकोलस के महल का नाम था?

(अ) विंटर पैलेस (ब) होली पैलेस

(स) रेड पैलेस (द) व्हाइट पैलेस

8. रूस में 1914 में किसका शासन था?

(अ) जार निकोलस द्वितीय (ब) जारीना एलेक्सान्द्रा

(स) लेनिन (द) स्तालिन

9. कौन-सा समूह ऐसी सरकार के पक्ष में था जो देश की आबादी के बहुमत के समर्थन पर आधारित हो?

(अ) सभी विकल्प सही हैं (ब) उदारवादी

(स) रैडिकल (द) रूढ़िवादी

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

10. पेरिस कम्यून की स्थापना कब हुई?

(अ) सन् 1889 (ब) सन् 1871

(स) सन् 1771 (द) सन् 1881

रिक्त स्थान :

11. अप्रैल थीसिस नाम सिद्धांत _____ की देन है।

12. रूस में ड्यूमा का गठन _____ में हुआ।

सत्य / असत्य

13. अप्रेल थीसिस नामक सिद्धांत लेनिन की देन है।

14. पूँजीपति के लिए मजदूर ही मुनाफा कमाता है का विचार लुई ब्लॉक ने दिया था।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. 1917 ई० पूर्व रूस पर किसका शासन था?

16. रूसी क्रांतिकारियों के मुख्य उद्देश्य क्या थे?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. उदारवादी के बारे में संक्षेप में लिखिए।

18. ड्यूमा के बारे में संक्षेप में लिखिए।

निबंधात्मक प्रश्न

19. 1917 ई. में रूसी क्रांति लाने में प्रथम विश्वयुद्ध का क्या प्रभाव था?

20. रूस की 1905 ई. की क्रांति को 1917 ई. की क्रांति की जननी क्यों कहा जाता है?

HOTS

21. **कथन –** फ्रांसीसी क्रांति ने यूरोप के अन्य देशों में भी जनतांत्रिक विचारों को प्रेरित किया।

कारण – क्रांति के बाद फ्रांस में राजशाही को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया और लोकतांत्रिक शासन स्थापित हुआ

(अ) दोनों कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(ब) दोनों कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

(स) कथन सही है, लेकिन कारण गलत है।

(द) कथन गलत है, लेकिन कारण सही है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

Under CSR Support by Ipca | Foundation
missiongyan

अध्याय-2 | यूरोप में समाजवाद एवं रूसी क्रांति

Worksheet-1
उत्तरमाला

1. (ब) वोल्शीविक वहुसंख्यक मजदूरों का संगठन था जिसके नेता लेनिन थे।

2. (द) मार्क्स के विचारों को मानने वाले समाजवादियों ने 1898 में रशियन सोशल डेमोक्रेटिक वर्कर्स पार्टी का गठन किया था। क्योंकि 1898 से पूर्व बड़े स्तर पर कोई संगठन इस तरह का कार्य नहीं कर रहा था।

3. (द) रूस में ड्यूमा का गठन सन् 1905 में किया गया। 1905 की क्रांति के दौरान जार ने एक निर्वाचित परामर्शदाता संसद या डयूमा के गठन पर अपनी सहमति दी।

4. (अ) सन् 1917 की रूस की क्रांति विश्व इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में एक है। इसके फलस्वरूप रूस से जार के स्वेच्छाचारी शासन का अंत हुआ तथा रूसी सोवियत संघात्मक समाजवादी गणराज्य की स्थापना हुई।

5. (ब) मेन्शेविकों का नेता केरेंस्की था। मेन्शेविक के अनुसार पार्टी में सभी को सदस्यता दी जानी चाहिए।

6. (ब) लेनिन एक प्रखर नेता था उसके आह्वान पर लाल सेना संगठित की गई। इस सेना में मुख्यतः श्रमिक किसान सम्मिलित थे।

7. (अ) पिंटर पैलेस का रूस में अस्तित्व नहीं था। मजदूरों के घर और कारखानें नेवा नदी के दाएँ तट पर थे। बाएँ किनारे पर विंटर पैलेस और सरकारी इमारतें थी।

8. (अ) जार निकोलस द्वितीय।

9. (स) रैडिकल समूह ऐसी सरकार के पक्ष में था जो बहुमत के समर्थन पर आधारित हो। उदारवादियों के विपरीत यह लोग बड़े जमीदारों और संपन्न उद्योगपतियों को प्राप्त किसी भी तरह के विशेषाधिकारों के खिलाफ थे।

10. (ब) पेरिस कम्यून की स्थापना सन् 1871 में हुई। यह ऐसा दौर था जब पेरिस की नगर परिषद (कम्यून) पर मजदूरों, आम लोगों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं को लेकर बनाई गई "जन सरकार" ने कब्जा कर लिया था। यह उथल-पुथल फ्रांसीसी सरकार की नीतियों के प्रति बढ़ते असंतोष के कारण पैदा हुई थी।

11. रिक्त स्थान : लेनिन

12. रिक्त स्थान : सन् 1905

13. सत्य / असत्य : सत्य

14. सत्य / असत्य : असत्य

15. जार निकोलस II फरवरी 1917 में राजशाही को गद्दी से हटाने वाली क्रांति का झंडा पेत्रोग्राद की जनता के हाथों में था।

16.

i. शांति सुनिश्चित करना

ii. प्रथम विश्वयुद्ध से रूस को हटाना।

iii. जमीन जोतने वाले को देना।

iv कारखानों पर मजदूरों का नियंत्रण।

v. गैर-रूसी जातियों को समानता का दर्जा देना।

17. रूस के उदारवादी वे लोग थे जो ऐसा देश चाहते थे जिसमें सभी धर्मों को बराबर सम्मान मिले। वे वंश आधारित शासकों की अनियंत्रित सत्ता के भी विरुद्ध थे। वे सरकार के समक्ष व्यक्ति के अधिकारों की सुरक्षा के पक्ष में थे। वे सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार (प्रत्येक नागरिक का वोट देने का अधिकार) में विश्वास नहीं रखते थे। उनका विश्वास था कि वोट का अधिकार केवल संपत्तिधारियों को ही मिलना चाहिए। वे महिलाओं को भी वोट देने का अधिकार नहीं देना चाहते थे। उदारवाद एक विचारधारा है जिसके अंतर्गत मनुष्य को विवेकशील प्राणी मानते हुए सामाजिक संस्थाओं को मनुष्यों की सूझबूझ एवं सामूहिक प्रयास का परिणाम समझा जाता है। जॉन लॉक को उदारवाद का जनक माना जाता है।

18. 1905 की क्रांति के दौरान जार ने रूस में परामर्शदाता संसद के चुनाव की अनुमति दे दी। रूस की इस निर्वाचित परामर्शदाता संसद को ड्यूमा कहा गया। रूसी क्रांति के दबाव में 6 अगस्त 1905 को गठित यह संस्था प्रारंभ में परामर्शदात्री मानी गई थी।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहां चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
VIDEO COURSE | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

अक्तूबर घोषणापत्र में जार निकोलस द्वितीय ने इसे वैधानिक शक्तियाँ प्रदान की। जार ने पहली डयूमा को मात्र 75 दिनों के अंदर और दूसरी डयूमा को 3 महीने के अंदर बर्खास्त कर दिया। क्योंकि वह अपनी सत्ता पर किसी भी तरह का अंकुश नहीं चाहता था।

19. प्रथम महायुद्ध शुरू होने से पहले यूरोप में दो गुट थे। एक गुट में इंग्लैंड, फ्रांस और रूस थे तो दूसरे गुट में जर्मनी, आस्ट्रिया और इटली थे। इन सभी देशों के पास विशाल वैश्विक साम्राज्य थे। प्रथम महायुद्ध शुरू होने पर रूस भी अपने गुट का साथ देने के लिए युद्ध में कूद पड़ा, परंतु इसके पास धन, अस्त्र-शस्त्रों तथा सेना की कमी थी। अतः किसानों को बलपूर्वक भर्ती करके बड़ी संख्या में युद्ध के मैदानों में भेज दिया गया। अनुमान लगाया जाता है कि इस महायुद्ध में 17 लाख सैनिक मारे गए, 5 लाख घायल हुए तथा 20 लाख बंदी बनाए गए। ऐसी स्थिति में युद्ध से पीड़ित सैनिकों के परिवारों तथा पड़ोसियों में सरकार के विरुद्ध विद्रोह की भावनाएँ पनपने लगीं। ये भावनाएँ आगे चलकर क्रांति का एक महत्वपूर्ण कारण बनी। प्रथम विश्व युद्ध में रूस की हार हुई। इस युद्ध के कारण उद्योगों पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ा तथा रूस की आर्थिक स्थिति खराब हो गई।

20. मास्को में 9 जनवरी, 1905 ई. रविवार के दिन एक विशाल जुलूस जार के महल की ओर शांतिपूर्वक जा रहा था। उसके नेता जार के सामने 11 माँगों की एक याचिका देने जा रहे थे। ये लोग नारा लगा रहे थे "छोटे भगवान! हमें रोटी दो!" जार यह चाहता था कि उसे भगवान की तरह पूजा जाए। इसी कारण रूस की जनता उसे 'छोटा भगवान' कहती थी। जार की सेना ने इन निहत्थे लोगों पर गोली चला दी जिसके कारण लगभग एक हजार व्यक्ति वहीं मारे गए। सेना ने लगभग 60 हजार व्यक्तियों को बंदी बना लिया। इसी कारण 9 जनवरी, 1905 ई. का दिन इतिहास में 'लाल रविवार' के नाम से जाना जाता है। वकीलों, डॉक्टरों, इंजीनियरों, और अन्य मध्यवर्गीय कामगारों ने संविधान सभा के गठन की मांग करते हुए यूनियन ऑफ़ यूनियंस की स्थापना कर दी। उस समय यह क्रांति दबा दी गई परंतु अंदर-ही-अंदर यह अग्नि सुलगती रही और 1917 ई. में एक महान क्रांति के रूप में प्रकट हो गई। इसी कारण 1905 ई की क्रांति को 1917 ई की क्रांति की जननी कहा जाता है।

21. फ्रांसीसी क्रांति ने न केवल फ्रांस में बल्कि पूरे यूरोप में लोगों को स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के विचारों से प्रभावित किया। राजशाही के अंत और लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्थापना ने अन्य देशों में भी क्रांतिकारी आंदोलनों को जन्म दिया।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App